सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीति अपार्टमेंट आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज ,दिल्ली - ११००९२

सत्र: २०२६-२०२७

कक्षा: चार   विषय :हिंदी   पाठ २: होती सुंदरी

कठिन शब्द

दयालु

दीन-दुखियों

निमंत्रण

सहनशीलता

वर्षगाँठ

रूपवान

आशीर्वाद

थालियाँ

बर्दाश्त

मेहमानों

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न १) राजा का स्वभाव कैसा था?

उत्तर राजा बहुत नेक और दयालु था ।

प्रश्न २) राजकुमारी के जन्म की खुशियाँ राज्य में किस प्रकार मनाई गई?

उत्तर राजकुमारी के जन्म की खुशियाँ नगर के सभी लोगों को दावत देकर मनाई गई।

प्रश्न ३) तेरहवीं परी ने सुंदरी को क्या शाप दिया और क्यों?

उत्तर तेरहवीं परी ने सुंदरी को शाप दिया कि पंद्रह वर्ष बाद एक तकली चुभने से राजकुमारी की मृत्यु हो जाएगी क्योंकि राजा ने तेरहवीं परी को दावत का निमंत्रण नहीं भेजा था ।

प्रश्न ४) बारहवीं परी ने राजकुमारी को क्या आशीर्वाद दिया ?

उत्तर बारहवीं परी ने कहा पंद्रह वर्ष की होने पर राजकुमारी सुंदरी की मृत्यु नहीं होगी ,बल्कि वह सौ वर्ष के लिए सो जाएगी ।सौ वर्ष के बाद एक सुंदर राजकुमार आकर उसे जगाएगा ।

प्रश्न ५) सौ साल के बाद राजकुमार के आने पर क्या हुआ?

उत्तर सौ वर्षों के बाद जब राजकुमार आया , तब उसने राजकुमारी का हाथ अपने हाथों में लिया और उसके सर पर हाथ फेरा । राजकुमारी की पलकें उठने लगी और उसने आँखें खोल दीं ।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

क) निमंत्रण - किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बुलाना

मैंने अपने सभी मित्रों को अपने जन्मदिन का निमंत्रण भेजा।

ख) दयालु - जिसके मन में दया हो

राजा बहुत ही दयालु स्वभाव का था ।

ग)हर्ष - खुशी

परीक्षा में प्रथम आने की खबर सुनकर मुझे बहुत हर्ष हुआ।

ग) रूपवान - सुंदर

राजकुमारी बहुत ही रूपवान और साहसी थी ।